YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 28.07.2018

DAINIK JAGRAN

एनसीआर में भूजल का गिरता स्तर व गुणवत्ता बड़ी समस्या

हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संगोष्ठी में प्रो. दिनेश कुमार ने कहा

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय औद्योगिक नगरी एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या और उसके समाधान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में गुरुग्राम के पूर्व वन संरक्षक डॉ. आरपी बलवान मुख्य वक्ता रहे। कार्यशाला को वैज्ञानिक निमिष कपूर और पंजाब विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में प्रोफेसर डॉ. नरेश कोचर, हरियाणा कृषि विभाग के पूर्व भूविज्ञानी डॉ. बीएस यादव, द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय गुरुग्राम की डॉ. अनिता ने संबोधित किया। संगोष्ठी में डीन विद्यार्थी कल्याण डॉ. नरेश चौहान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया।

वाईएमसीए विश्व विद्यालय में भूजल समस्या एवं उसके समाधान विषय पर आयोजित कार्यशाला में दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए डॉ. आर.पी. बलवान ● जागरण

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि फरीदाबाद सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में भूजल का गिरता स्तर और गुणवत्ता एक गंभीर समस्या है। जिस पर व्यापक चिंतन एवं उचित उपाय करने की आवश्यकता है। उन्होंने हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भूजल की समस्या के प्रति जनचेतना लाने के उद्देश्य से कार्यशाला के आयोजन को एक सराहनीय पहल बताया। डॉ. आरपी बलवान ने भूजल संरक्षण को लेकर विभिन्न अधिनियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में दक्षिण हरियाणा में भूजल के अत्याधिक दोहन से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आई है और इस गिरावट के कारण पानी को लेकर एक चिंताजनक समस्या उत्पन्न हो गई है। इस समस्या से समय रहने की निपटा गया तो स्थिति और विकट हो जाएगी। विज्ञान प्रसार की साइंस फिल्म डिवीजन में वैज्ञानिक निमिष कपूर ने लघुचित्र के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट के कारण उत्पन्न स्थिति और समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया।

NEWS CLIPPING: 28.07.2018

DAINIK BHASKAR

आयोजन | 'भूजल समस्या तथा समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, 150 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

सूरजकुंड और बड़खल झीलों की बहाली के लिए भूजल स्तर को सुधारना होगा : बलवान

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में 'फरीदाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या व समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फरीदाबाद एवं आसपास के शिक्षण संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में गुड़गांव के पूर्व वन संरक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. आरपी बलवान मुख्य वक्ता थे। कार्यशाला को विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली में वैज्ञानिक निमिश कपूर व पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के भूविज्ञान विभाग में प्रोफेसर डॉ. नरेश कोचर, हरियाणा कृषि विभाग के पूर्व भूविज्ञानी डॉ. बीएस यादव, द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय गुड़गांव से डॉ. अनीता ने भी संबोधित किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि फरीदाबाद सहित पूरे एनसीआर में भूजल का गिरता स्तर व गुणवत्ता एक गंभीर समस्या है। इस पर व्यापक चिंतन एवं उचित उपाय करने की आवश्यकता है। डॉ. आरपी बलवान ने कहा कि दो दशकों में दक्षिण हरियाणा में भूजल के अत्यधिक दोहन से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण पानी को लेकर एक चिंताजनक समस्या उत्पन्न हो गई है। इस समस्या से समय रहते नहीं निपटा गया तो स्थिति और विकट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के मुख्य पर्यटन स्थल सूरजकुंड व बड़खल में जलाशयों के सूखने का प्रमुख कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। इन जलाशयों को तब तक पुनः बहाल नहीं किया जा सकता, जब तक भूजल पुनर्भरण के लिए उचित कदम नहीं उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में खनन व पूरे एनसीआर क्षेत्र में अनियोजित विकास के कारण भी भूजल का अत्यधिक दोहन हुआ है। अरावली क्षेत्र में भूजल स्तर को बहाल करने के लिए व्यापक स्तर पर पौधरोपण की भी आवश्यकता है। भू-वैज्ञानिक डॉ. नरेश कोचर ने भूजल प्रदूषण व प्रभावों पर चर्चा की। विज्ञान प्रसार की साइंस फिल्म डिवीजन में वैज्ञानिक निमिश कपूर ने लघु चित्र के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट के कारण उत्पन्न स्थिति तथा समस्याओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनिया बंसल ने किया।

फरीदाबाद. 'फरीदाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या तथा समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. आर.पी. बलवान।

NEWS CLIPPING: 28.07.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

आयोजन | भूजलः समस्या तथा समाधान विषय पर कार्यशाला

झीलों की बहाली के लिए भूजल स्तर को सुधारना होगा

- अरावली क्षेत्र में अपरदन रोकने व भूजल स्तर बहाली के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण की आवश्यकता

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ आर पी बलवान।

फरीदाबाद , राकेश देव (पंजाब केसरी)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में फरीदाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या तथा समाधान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फरीदाबाद एवं आसपास के शिक्षण संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में गुडग़ांव के पूर्व वन संरक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डा आर पीबलवान मुख्य वक्ता रहे। कार्यशाला को विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली में वैज्ञानिक निमिश कपूर तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के भूविज्ञान विभाग में प्रोफेसर डॉ नरेश कोचर, हरियाणा कृषि विभाग के पूर्व भूविज्ञानी डॉ बी एस यादव, द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुडग़ांव से डा अनिता ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण डॉ नरेश चौहान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया।

कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि फरीदाबाद सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में भूजल का गिरता स्तर तथा गुणवत्ता एक गंभीर समस्या है,जिस पर व्यापक चिंतन एवं उचित उपाये करने की आवश्यकता है। उन्होंने हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा भूजल की समस्या के प्रति जनचेतना लाने के उद्देश्य से कार्यशाला के आयोजन को एक सराहनीय पहल बताया।

सत्र को संबोधित करते हुए डॉ आर पी बलवान ने भूजल संरक्षण को लेकर विभिन्न अधिनियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में दक्षिण हरियाणा में भूजल के अत्याधिक दोहन से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आई है और इस गिरावट के कारण पानी को लेकर एक चिंताजनक समस्या उत्पन्न हो गई है। इस समस्या से समय रहने की निपटा गया तो स्थिति और विकट हो जायेगी। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के मुख्य पर्यटन स्थल सूरजकुंड तथा बडख़ल में जलाश्यों के सूखने का प्रमुख कारण भूजल का अत्याधिक दोहन है। इन जलाश्यों को तब तक पुन: बहाल नहीं किया जा सकता, जब तक भूजल पुनर्भरण के लिए उचित कदम नहीं उठाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में खनन तथा पूरे एनसीआर क्षेत्र में अनियोजित विकास के कारण भी भूजल का अत्याधिक दोहन हुआ है। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में अपरदन को रोकने तथा भूजल स्तर को बहाल करने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण की आवश्यकता है।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 28.07.2018

PUNJAB KESARI

अरावली क्षेत्र में भूमि अपरदन रोकने के लिए पौधारोपण की आवश्यकता

झीलों की बहाली के लिए भूजल स्तर को सुधारना होगा: डॉ. बलवान

फरीदाबाद, 27 जुलाई (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद में 'फरीदाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या तथा समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फरीदाबाद एवं आसपास के शिक्षण संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में गुडगांव के पूर्व वन संरक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. आरपी बलवान मुख्य वक्ता रहे। कार्यशाला को विज्ञान प्रसार, नईदिल्ली में वैज्ञानिक निमिष कपूर तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के भूविज्ञान विभाग में प्रोफेसर डॉ. नरेश कोचर, हरियाणा कृषि विभाग के पूर्व भूविज्ञानी डॉ. बीएस यादव, द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुडगांव से डॉ. अनिता ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण डॉ. नरेश चौहान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया। सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. आर.पी. बलवान ने भूजल संरक्षण को लेकर विभिन्न अधिनियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में दक्षिण हरियाणा में भूजल के अत्याधिक दोहन से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट आई है और इस गिरावट के कारण पानी को लेकर एक चिंताजनक समस्या उत्पन्न हो गई है। इस समस्या से समय रहने की निपटा गया तो स्थिति और विकट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के मुख्य पर्यटन स्थल सूरजकुंड तथा बडखल में जलाशयों के सूखने का प्रमुख कारण भूजल का अत्याधिक दोहन है। इन जलाशयों को तब तक पुन: बहाल नहीं किया जा सकता, जब तक भूजल पुनर्भरण के लिए उचित कदम नहीं उठाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में खनन तथा पूरे एनसीआर क्षेत्र में अनियोजित विकास के कारण भी भूजल का अत्याधिक दोहन हुआ है। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में अपरदन को रोकने तथा भूजल स्तर को बहाल करने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण की आवश्यकता है। सत्र को संबोधित करते हुए भूविज्ञानी डॉ. नरेश कोचर ने भूजल प्रदूषण तथा प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। विज्ञान प्रसार की साइंस फिल्म डिवीजन में वैज्ञानिक निमिष कपूर ने लघुचित्र के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट के कारण उत्पन्न स्थिति तथा समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यशाला में बताए हरियाली बढ़ाने के उपाय

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. आरपी बलवान।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 28 July 2018
epaper.punjabkesari.in/c/30739368

NAVBHARAT TIMES

कार्यशाला का आयोजन

■ **प्रस, फरीदाबाद :** वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में 'फरीदाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या तथा समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका आयोजन हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने किया। इसमें फरीदाबाद एवं आसपास के शिक्षण संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर गुड़गांव के पूर्व वन संरक्षक डॉ. आर. पी. बलवान, कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार, हरियाणा कृषि विभाग के पूर्व भूविज्ञानी डॉ. बी.एस. यादव आदि मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 28.07.2018

HINDUSTAN

भूजल दोहन पर वक्ताओं ने चिंता जताई

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

आयोजन

- भू-जल समस्या और सामाधान पर कार्यशाला का आयोजन
- 150 शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'फरीदाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में भूजल समस्या तथा समाधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें करीब 150 से अधिक शिक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में गुरुग्राम के पूर्व वन संरक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. आरपी बलवान मौजूद रहे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ. आरपी बलवान ने बताया कि पिछले दो दशकों से दक्षिण हरियाणा में भू-जल के दोहन से तेजी से गिरावट आई है। इससे पानी की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। इससे निपटा नहीं गया तो स्थिति गंभीर हो जाएगी। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की फरीदाबाद सहित एनसीआर में भूजल का गिरता स्तर और उसकी गुणवत्ता एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

वक्ताओं का कहना था कि जिले के मुख्य पर्यटन स्थल सूरजकुंड और बड़खल में जलाशयों का सूखने का प्रमुख कारण भू-जल का अत्याधिक दोहन है। इन जलाशयों को तब तक पुनः बहाल नहीं किया जा सकता। जब तक अरावली क्षेत्र में व्यापक स्तर पर पौधारोपण नहीं किया जाए।

वहीं, भू-वैज्ञानिक डॉ. नरेश कोचर ने भूजल प्रदूषण तथा प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। विज्ञान प्रसार की साइंस फिल्म डिवीजन में वैज्ञानिक निमिश कपूर ने लघुचित्र के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट के कारण उत्पन्न स्थिति तथा समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला का संचालन डॉ. सोनिया बंसल के नेतृत्व में किया गया।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 28.07.2018